

बेसिक के शिक्षकों के अनूठे प्रयास

टाइम लाइन

एक्सप्रेस

अप्रैल- 2021



सम सामयिक घटनाओं पर आधारित कविताओं का संकलन

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण..

संकलन-

काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद



टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 01-4-2021

91

दिन- गुरुवार

अजित लक्ष्मण वाडेकर,
बाएँ हाथ के थे बल्लेबाज।
अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी,
के रूप में हम रखते याद।।

अजित वाडेकर

वेस्ट इंडीज और इंग्लैंड से,
यादगार जीत दिलाए थे।
भारतीय टीम के कैप्टन बन,
सुनहरे अक्षर में नाम लिखाए थे।।

तीन नम्बर पर ही हमेशा,
बल्लेबाजी करने उतरते थे,
अच्छी बल्लेबाजी के साथ,
स्लिप भी अच्छी करते थे।।



अजित वाडेकर ने भारत को,
विदेशी पिचों पर जीतना सिखाया।
अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण,
अर्जुन पुरस्कार भी पाया।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट





दिनांक- 02.04.2021

92

दिन- शुक्रवार

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

दो अप्रैल सन् दो हजार सात का दिन है खास,
 संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा ने लगायी यह आस।
 सर्वप्रथम की थी घोषणा इस दिवस को मनाने की,
 वह है प्यारा विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस।।
 जिन बच्चों और बूढ़ों का निर्बल जीवन,
 था इस मानसिक बीमारी का क्रन्दन।
 इस योजना का सुन्दर सृजन कर,
 मिला हर एक को यह सुन्दर सा घर।।
 दो अप्रैल सन् दो हजार आठ को,
 मनाया गया प्रथम ऑटिज्म दिवस।
 सार्थक जीवन व्यतीत करने हेतु,
 मिला उन सबको यह सुन्दर सेतु।।
 सामाजिक कुशलता एवं नेतृत्व क्षमता पर,
 पड़ता है इसका विपरीत और दुष्प्रभाव।
 दुनिया भर में पायी जाती है यह बीमारी,
 जिसका असर भोगता है समुदाय और समाज।।



रूपना देवेश्वरी सेमवाल (स०अ०)
 रा० उ० प्रा० वि० कान्दी
 ब्लॉक- अगस्त्यमुनि
 जनपद- रुद्रप्रयाग, उत्तराखण्ड



आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।



9458278429



दिनांक- 03.04.2021

93

दिन- शनिवार

वीर मानेकशॉ

तीन अप्रैल उन्नीस सौ चौदह को,
मानेकशॉ ने अमृतसर में जन्म लिया।
देहरादून मिलिट्री एकेदमी में,
प्रथम बैज में कमीशन प्राप्त किया।।



भारतीय सेना में भर्ती होकर,
देश रक्षा करने का प्रण लिया।
सेनाध्यक्ष पद से भी सुशोभित हुए,
फिर फील्डमार्शल का सम्मान मिला।।

भारत की आजादी के बाद,
गोरखों की कमान सम्भाली।
गोरखों ने तब इनको,
'सैमबहादुर' की उपाधि दे डाली।।

सैन्यक्रॉस, पद्मभूषण और,
पद्मविभूषण से सम्मान हुए।
सत्ताईस जून दो हजार आठ को,
ये वीर, नश्वर शरीर को छोड़ गये।।

रचना:-

सरिता मैन्दोला (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० गूमखाल
ब्लॉक- पौड़ी गढ़वाल





दिनांक- 04/04/2021

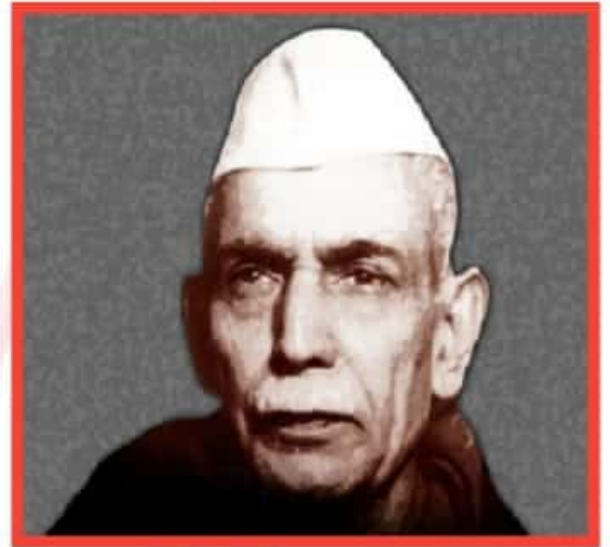
94

दिन- रविवार

माखनलाल चतुर्वेदी

4 अप्रैल 1889 को होशंगाबाद में जन्मे माखनलाल चतुर्वेदी, ये थे अनूठे रचनाकार, पत्रकार, संपादक, लेखक और कवि।

सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं से नयी पीढ़ी को जोड़े रखते। अपने इसी आह्वान के कारण, सरकार के कोप का भाजन बने।



ये संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी और गुजराती भाषाओं को थे जानते, इनकी कविताओं में प्रेम, प्रकृति और देशप्रेम के अक्सर चित्रण होते।

'हिमतरंगिनी' के लिए इन्हें प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया। बहुत सी अविस्मरणीय रचनाओं के लिए, 1963 में पद्मभूषण से अलंकृत किया गया।

रचना - ज्योति सागर (स.अ.)
उ.प्रा.वि. सिसाना
बागपत, बागपत





दिनांक- 5 अप्रैल 2021

95

दिन- सोमवार

5 अप्रैल 1919 को बना,
भारतीय समुद्री इतिहास।
माल परिवहन का साधन बना,
पहला सिंधिया जहाज खास।।

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाते हैं,
5 अप्रैल को हर साल भारत में।
भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाते हैं,
जागरूकता फैलाकर भारत में।।



जहाज नेगविगेशन कम्पनी का,
मुम्बई से लन्दन भेजा गया।।
पहला स्टीमशिप एसएसलॉयल्टी का,
अंतरराष्ट्रीय जल में भेजा गया।।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का समर्थन,
राष्ट्रीय समुद्री दिवस है करता।
उद्देश्य जिसका आर्थिक योगदान,
जहाजरानी उद्योग में सहयोग करता।।

रचना

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा , फतेहपुर





दिनांक- 06/04/2021

96

दिन- मंगलवार

विकास व शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस

23 अगस्त 2013 को हुआ हर्ष,
संयुक्त राष्ट्र महासभा ने घोषित किया दिवस।
विकास और शांति के लिए प्रतिवर्ष,
6 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस।।

पियरे फ्रेडे बैरोन डी कूबर्टिन के प्रयास से,
6 अप्रैल 1896 को एथेंस के मैदान से।
आधुनिक ओलम्पिक खेलों का हुआ उद्घाटन,
आधुनिक ओलम्पिक खेल जनक बने कूबर्टिन।।

उद्देश्य है सामाजिक विकास में,
खेलों की भूमिका व योगदान।
अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय विकास में,
या क्षेत्रीय विकास में खेल योगदान।।

रचना

सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 07-04-2021

97

दिन- बुधवार

विश्व स्वास्थ्य दिवस

07 अप्रैल 1948 को WHO का हुआ गठन,
स्थापना दिवस कहलाया विश्व स्वास्थ्य दिवस।
1950 से विश्व स्तर पर शुरू हुआ आयोजन,
संयुक्त राष्ट्र संघ का है ये महत्वपूर्ण दिवस।।



विश्व स्वास्थ्य दिवस

संस्था में है 193 सदस्य व दो सम्बन्ध सदस्य देश,
स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता का देते सन्देश।
संयुक्त राष्ट्र संघ है इस संस्था का आधार,
स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं पर करती विचार।।

स्वास्थ्य सम्बन्धी अफवाहों का करती अंत,
भरसक सहयोग दे करती निराकरण।
दिवस पर होते स्वास्थ्य सम्मेलन पुरस्कार वितरण,
जीवन प्रत्याशा बढ़ाने में करते ध्यान केन्द्रण।।



हमारा भारत देश भी है WHO का सदस्य,
दिल्ली में है इसका भारतीय मुख्यालय।
एक स्वस्थ विश्व बनाने का है लक्ष्य,
समान स्वास्थ्य सुविधा मिले है निश्चय।।

रचना-

रीना (स०अ०)

प्रा० वि०- सालेहनगर

वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ





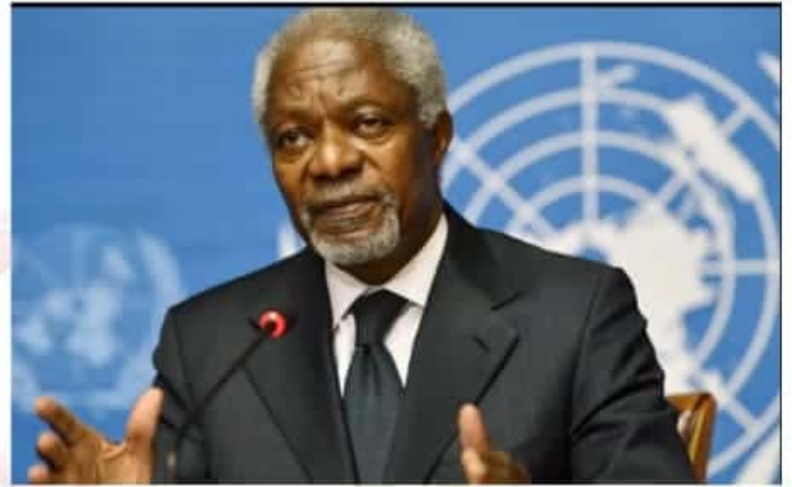
दिनांक- 08.04.2021

98

दिन- गुरुवार

जन्म दिवस**कोफी अन्नान****संयुक्त राष्ट्र संघ के भू० पू० महासचिव**

संयुक्त राष्ट्र के पहले अश्वेत,
महासचिव बने कोफी अन्नान।
शांत प्रिय शख्सियत होने का,
दुनिया में पाया था सम्मान।।



एक घानाई कूटनीतिज्ञ थे,
महासचिव बने थे दो बार।
वो थे एक महान शख्सियत,
पाया शांति का पुरस्कार।।

अनेकों शांति अभियानों में,
आपने सक्रिय भाग लिया।
अनेकों विभागों में काम कर,
नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।।

अंग्रेजी, क्रू, फ्रेंच, अकान में,
उनको महारथ हासिल थी।
स० रा० विकास समूह की,
सोच तारीफे काबिल थी।।

रचना- भुवन प्रकाश (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी,
मिश्रिख, सीतापुर





दिनांक- 09 अप्रैल 2021

99

दिन- शुक्रवार

पितामह यात्रा-साहित्य के वो,
घुमक्कड़ी स्वभाव के महापुरुष।
36 भाषाओं के ज्ञाता महापंडित,
राहुल सांकृत्यायन जी युगपुरुष॥

जन्मदिवस
राहुल सांकृत्यायन

आजमगढ़ के पंदहा गांव में,
09 अप्रैल 1893 को जन्म लिया,
पिता गोवर्धन पाण्डेय और,
माता कुलवंती को धन्य किया॥

यात्रा वृत्तांत, उपन्यास, कहानी,
सभी विधाओं में कलम चलायी।
सम्पूर्ण विश्व की यात्रा करके,
भाषा संस्कृति उनकी अपनायी॥



साहित्य अकादमी और पद्मभूषण,
पुरस्कार ग्रहण कर मान बढ़ाया।
14 अप्रैल 1963 को त्यागा जीवन,
साहित्य जगत को सूना बनाया॥



मिशन शिक्षण संवाद

सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर



टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 10.04.2021

100

दिन- शनिवार

भारत की पावन धरती को,
जब चीन के दुस्साहस ने नापा।
उनको सबक सिखाने आये,
परमवीर मेजर धन सिंह थापा॥

जन्मदिवस मेजर धनसिंह थापा

10 अप्रैल सन 1928 में,
शिमला में था जन्म लिया।
28 अक्टूबर सन 1949 को,
थल सेना में पद ग्रहण किया ॥



28 वीं गोरखा राइफल्स के,
कमीशंड अधिकारी थे।
भारत की सीमाओं के,
वे सच्चे पहरेदारी थे॥

शहीद मानकर भारत सरकार ने,
परमवीर चक्र देने की कर दी घोषणा।
चीन की चौकसी तोड़कर आये,
करते हुए विजय गर्जना॥



रचना

रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 11-4-2021

101

दिन- रविवार

ज्योतिबा फूले का महाराष्ट्र में,
11 अप्रैल 1827 में जन्म हुआ।
एक वर्ष की आयु में ही,
इनकी माँ का निधन हुआ।।

ज्योतिबा फूले



इनका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को,
उनका अधिकार दिलाना था।
अनेक फैली कुरीतियों से,
समाज को मुक्त कराना था।।



अपनी पत्नी सवित्री बाई को,
सबसे पहले शिक्षा प्रदान किया।
पति-पत्नी दोनों ने मिलकर,
समाज के हित में कार्य किया।।

गरीबों और निर्बलों हेतु,
सत्य शोधक समाज की स्थापना की।
समाज सेवा देखकर मुम्बई में,
इन्हें महात्मा की उपाधि दी।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट





दिनांक- 12/04/2021

102

दिन- सोमवार

राखालदास बनर्जी

राखाल दास बनर्जी 12 अप्रैल 1885 ई. में, भारत में बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में जन्में। डा० राजेंद्र प्रसाद और शरतचन्द्र बोस जैसे, महान व्यक्ति इनके सहपाठी और मित्र थे।।



कलकत्ता विश्वविद्यालय से इतिहास में एम० ए०, और संस्कृत भाषा का भी गहन अध्ययन किया। 1917 में राखाल दास जी ने पूना में, पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षक का कार्य किया।।

लगभग छः वर्षों तक विभिन्न राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, सिंध में कार्यरत रहे। इतिहास को जानने, खोजने की रुचि में, देशी रियासतों में पुरातत्व विषयक कार्य किए।।

1922 में एक बौद्ध की खुदाई के दौरान, मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यता की खोज की। इसके अलावा पेशवाओं के राजमहल के उत्खनन से, इन्होंने देश विदेश में खूब ख्याति प्राप्त की।।

रचना

ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, जनपद- बागपत





दिनांक- 13/04/2021

103

दिन- मंगलवार

जलियांवाला बाग हत्याकांड

13 अप्रैल 1919 का क्रूर दिन,
भारतीय इतिहास का है दुखद दिन।
ब्रिटिश हुकूमत ने वैशाखी के दिन,
बेकसूरों को गोलियों से दिया था भून।।

ब्रिटिश क्रूरता का प्रतीक यह जघन्य कांड,
जलियांवाला बाग हत्याकांड।

रौलट एक्ट का विरोध करने पर,
हो रही सभा पर हुआ यह क्रूर कांड।।

जनरल डायर था ब्रिटिश अधिकारी,
जिसने कर रखी थी पूरी तैयारी।

उठती माँगों का दमन कर पाने को,
पूरे भारत में दहशत फैलाने को।।



उधम सिंह ने मारा जनरल डायर को,
खुद को दिया संकल्प पूरा करने को।
शुरुआत हुई ब्रिटिश हुकूमत के अंत को,
भारत को गुलामी से आजाद कराने को।।

|| सुमन पांडेय (प्र०अ०)
खजुहा, फतेहपुर





दिनांक- 14 अप्रैल 2021

104

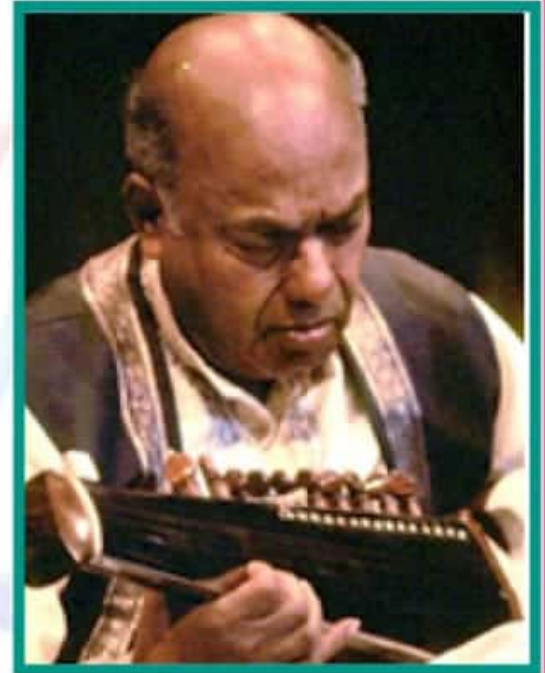
दिन- बुधवार

14 अप्रैल 1922 को हुआ जन्म,
उस्ताद अली अकबर खान का।
पिता अलाउद्दीन माता मदीना बेगम,
खिताब पाया महान संगीतज्ञ का।।

बने प्रथम गुरु अलाउद्दीन खान,
प्राप्त की कीर्ति सरोद वादन में।
किया संगीत रचनाओं का सृजन,
थे निपुण ये शास्त्रीय गायन में।।

सन 1988 में हुए विभूषित,
पद्म विभूषण पुरस्कार से।
अमेरिका ने किया सम्मानित,
नेशनल हैरिटेज फेलोशिप से।।

सरोद वादक अली अकबर खान ने,
किया शास्त्रीय संगीत का प्रसार।
19 जून 2009 को हो गया निधन,
थे दुनिया के जो महान संगीतकार।।



रचना

आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनिया प्रथम
सरवन खेड़ा, कानपुर देहात





दिनांक- 15/04/2021

105

दिन- गुरुवार

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

15 अप्रैल सन् 1865 को उत्तर प्रदेश में,
अयोध्या सिंह उपाध्याय अवतरित हुए।
पिता भोलानाथ सिंह और माता रुक्मिणी देवी,
इनके पिता कालांतर में सिक्ख हुए।।

इन्होंने घर पर ही फारसी, अंग्रेज़ी, संस्कृत,
भाषाओं का भरपूर अध्ययन किया।
पढ़ने और पढ़ाने से सदा लगाव रहा,
कुछ वर्षों तक विद्यालय में अध्यापन किया।।

बाद में पढ़कर कानून गो भी बने,
हरिऔध जी का ध्येय अध्यापन रहा।
उनका जीवन सरल, उदार विचारों से पूर्ण था,
काशी विश्व विद्यालय में अवैतनिक अध्यापन किया।।

हरिऔध जी, द्विवेदी युग के कवि व लेखक थे,
इन्होंने ब्रजभाषा और खड़ी बोली में कविता की।
'प्रियप्रवास' के लिए मंगला प्रसाद पारितोषिक मिला,
बाद में 'कवि सम्राट', साहित्य वाचस्पति' की उपाधि मिली।

रचना - ज्योति सागर (स.अ.)
उ. प्रा. वि. सिसाना
बागपत, जनपद - बागपत





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 16.04.2021

106

दिन- शुक्रवार

भारत की रक्षा करने वाले,
अर्जन सिंह सेनानी थे।
वायुसेना में एयर चीफ मार्शल थे,
वे सच्चे हिंदुस्तानी थे।।

15 अप्रैल सन 1919 को,
पंजाब के लायलपुर में जन्म लिया।
सैन्य परिवार में हुई शिक्षा दीक्षा,
सन 1939 में वायुसेना में पद ग्रहण किया।।

युद्ध हुआ सन 1965 में,
जब पाक ने मुँह की खाई थी।
विजय दिलाकर भारत को,
विजय पताका फहराई थी।।

जन्मदिवस
एयर चीफ मार्शल अर्जन सिंह



सेना में रहकर मिले कई सम्मान,
पद्म विभूषण से बने महान।

14 अप्रैल सन 1916 को हुआ एलान,
पानागढ़ स्टेशन का अर्जन सिंह स्टेशन होगा नाम।।



रचना

रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
क्षेत्र- सरवनखेड़ा
जनपद- कानपुर देहात





टाइमलाइन एक्सप्रेस



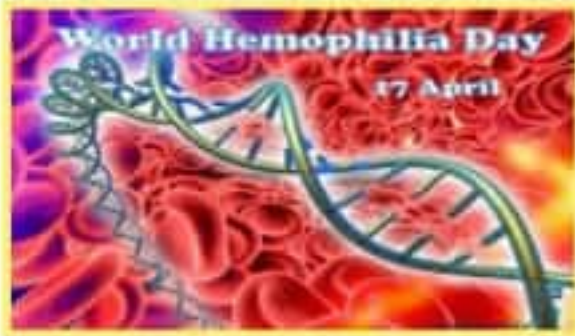
दिनांक- 17-4-2021

107

दिन- शनिवार

हीमोफीलिया दिवस

17 अप्रैल 1989 को, हीमोफीलिया दिवस आरंभ हुआ,
फ्रेंक शेनेवल के जन्मदिवस पर, हीमोफीलिया दिवस मनाया गया।
इसको ब्रिटिश रॉयल डिजीज के नाम से भी जाना जाता,
लोगों को जागरूक कर इससे बचाया जाता।।



यह एक आनुवंशिकी बीमारी,
जो पुरुषों में अधिकतर होती।
इस बीमारी के मुख्य लक्षण,
जानो भैया तुम हर पल हर क्षण।।

रक्त का थक्का जमने ना पाता,
रक्त लगातार बहता जाता।
जोड़ों में जब दर्द है होता,
मनुष्य जोर-जोर से रोता।।

आती सूजन है शरीर में,
ब्लड है दिखता मल मूत्र में।
तुरंत डॉक्टर को है दिखाओ,
सही-सही इलाज कराओ।।



रचना- नीलम सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रतनगढ़ी ब्लॉक व
जनपद- हाथरस





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 18/04/2021

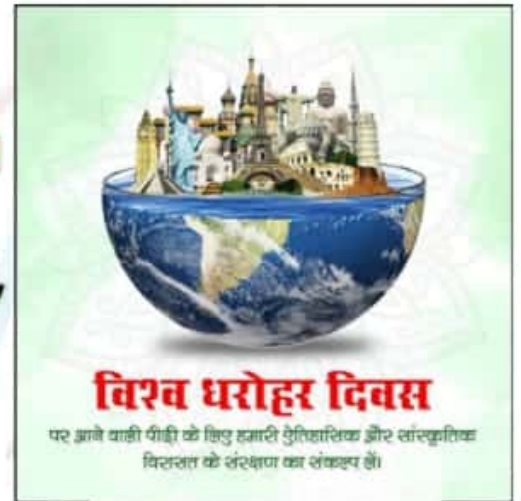
108

दिन- रविवार

विश्व धरोहर दिवस

मानव विरासत को संरक्षित करने,
यूनेस्को द्वारा यह कदम उठाया गया।
18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस,
पूरी दुनिया में मनाने का संकल्प लिया गया।।

यूनेस्को के शैक्षिक और वैज्ञानिक संगठनों ने,
कुछ चुनिंदा स्थानों को विशेष दर्जा दिया है।
भारत के भी 35 स्मारकों को,
विश्व धरोहर में शामिल किया है।।



बिहार में नालंदा, चण्डीगढ़ में कैपिटल बिल्डिंग,
हाल में विश्व धरोहर सूची में शामिल हुए हैं।
अपनी सांस्कृतिक विरासत के महत्व को,
पहचान कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं।।

ये धरोहरें सिर्फ सुंदर ही नहीं,
एक देश की संस्कृति की जानकारी भी देती हैं।
देखरेख संरक्षण करने से ये
अगली पीढ़ी तक संरक्षित रहती है।।

रचना - नीलम भास्कर (स.अ.)
उ. प्रा. वि. सिसाना
बागपत, जनपद- बागपत





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 19.04.2021

109

दिन- सोमवार

विश्व यकृत दिवस

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने,
राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम से।
जागरूक किया यकृत की बीमारियों के बारे में,
किया आयोजन सर्वप्रथम 19 अप्रैल 2018 में।।



तभी से विश्व यकृत दिवस मनाया जाता,
दिवस पर यकृत के प्रति सचेत किया जाता।
इसकी उपयोगिता के बारे में बताया जाता,
यकृत के बिना कोई जीवित नहीं रह पाता।।



है दूसरा जटिल सबसे बड़ा अंग,
योगदान से करता सुचारू पाचनतंत्र।
हेपेटाइटिस का अर्थ है यकृत में सूजन,
थकान, भूख वजन रक्त में कमी हैं लक्षण।।

यकृत संक्रमण और रोगों से लड़ता,
रक्त शर्करा को नियमित करता।
शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलता,
कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता।।



रचना-

रीना (स० अ०)

प्रा० वि०- सालेहनगर

वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ





मिशन शिक्षण संवाद

टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 20 अप्रैल 2021

110

दिन- मंगलवार

20 अप्रैल 1914 को जन्मे,
साहित्यकार गोपीनाथ मोहंती।
नागबलि कटक में जन्मे,
पिता जिनके सूर्यनाथ मोहंती।।

गोपीनाथ मोहंती

गोपीनाथ मोहंती



पिंपुडी जिनकी कहानी महान,
वन अधिकारी का मिलता वर्णन।
मन गहिरा चसा पहला उपन्यास,
विपुल था साहित्यिक उत्पादन।।

साहित्य अकादमी से पुरस्कृत हुए,
उपन्यास अमृतरसंतान के लिए।
ज्ञानपीठ पद्म भूषण से अलंकृत हुए,
मिला सम्मान साहित्य-शिक्षा के लिए।।

रचना

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर





टाइमलाइन एक्सप्रेस

दिनांक- 21 अप्रैल 2021

111

दिन- बुधवार

21 अप्रैल 1924 को जन्म लिया,
राजकुमार कर्णी सिंह ने।
सुशीला कुमारी संग विवाह किया,
भारत के प्रथम निशानेबाज ने।।

कर्णी सिंह

बीकानेर को कर्मभूमि बनाया,
बने सफल सांसद लोकसभा में।
भारत का प्रतिनिधित्व किया,
अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता स्तर में।।

ओलम्पिक खेलों में प्रतिभाग कर,
कर्णी जी ने भारत का मान बढ़ाया।
सियोल में स्वर्ण पदक पाकर,
शूटिंग चैम्पियन में इतिहास बनाया।।



कर्णी जी हुए सम्मानित 1961 में,
पाकर प्रथम अर्जुन पुरस्कार।
1988 में विलीन हुए पंचतत्व में,
महान गोल्फर और कलाकार।।

रचना

आरती यादव (स०अ०)

प्रा० वि० रनिया प्रथम

सरवन खेड़ा, कानपुर देहात





टाइमलाइन एक्सप्रेस

दिनांक- 22.04.2021

112

दिन- गुरुवार

सुन्दर-सुन्दर बाग बगीचे,
स्वस्थ साँस की खान हैं।
पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है,
जिस पर बसती जान है॥

विषय- दिवस विशेष

विश्व पृथ्वी दिवस

पृथ्वी के संरक्षण हेतु,
22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाते हैं।
धरती हमको देती है सब कुछ,
हम पृथ्वी वासी आभार जताते हैं॥

सन 1970 में सबसे पहले,
जेराल्ड नेल्सन ने इसे मनाया था।
पर्यावरण की रक्षा करना,
सबसे पहला कर्तव्य बताया था॥

यदि पृथ्वी खुशहाल रहेगी,
तब ही हम खुश रह पाएँगे।
पर्यावरण संरक्षण करके,
पृथ्वी को स्वर्ग बनाएँगे॥



रचना-

सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी,
क्षेत्र- खजनी, गोरखपुर





मिशन शिक्षण संवाद

टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 23.04.2021

113

दिन- शुक्रवार

जन्म दिवस**अन्नपूर्णा देवी**

सुरबहार वाद्ययंत्र बजाने वाली भारत की एकमात्र महिला

हम बताएँ तुमको अन्नपूर्णा की कहानी,
23 अप्रैल 1927 को वाद्ययंत्र बजाने वाली।
मध्य प्रदेश के मैहर में जन्मी,
वो थी एकमात्र महिला निराली।।



अलाउद्दीन खान पिता मदन मंजरी माता,
भाई अली अकबर, बहन शारिजा, जहाँ आरा।
और स्वयं जानी जाती नाम रोशन आरा।।

दिया नाम अन्नपूर्णा वृजनाथ महाराज द्वारा।।

रोशन आरा नाम उनका माँ बाप ने ही पुकारा,
विवाह किया रविशंकर जी से धर्म परिवर्तन द्वारा।
शुभेन्द्र शंकर पुत्र उनके हुए,
सितार वादन में वे खूब पारंगत हुए।।

सन 1977 में पद्म भूषण सम्मान से नवाजी गई।
भारतीय शास्त्रीय संगीत में अपना परचम फैलाती रही।।

रचना-

नीलम सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रतनगढी,
जनपद- हाथरस





दिनांक- 24.04.2021

114

दिन- शनिवार

राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस

बापू की स्वराज संकल्पना को साकार बनाने को,
लोकतंत्र की नींव को मजबूत आधार दिलाने को।
केन्द्र और राज्य सरकार के कार्यों का बोझ बंटाने को,
शासन की हर सुविधा को जनमानस तक पहुंचाने को।।

ग्राम स्तर पर ग्राम सभा का,
ब्लाक स्तर पर मण्डल परिषद।
जिला स्तर पर जिला परिषद का होता गठन,
जो जमीनी स्तर पर पूरे करते जनता के कथन।।

2 अक्टूबर सन 1959 को था पहली बार,
राजस्थान के नागौर से पंचायती राज की हुई शुरुआत।
पंचायती राज व्यवस्था आगे बढ़ती रही लगातार,
जो है जनतांत्रिक सत्ता के विकेंद्रीकरण का आधार।।

सन 1957 में बलवंतराय कमेटी का हुआ गठन,
सन 1992 में लागू हुआ 73 वां संशोधन अधिनियम।
24 अप्रैल सन 1993 को लागू हुआ और बन गयी बात,
सन 2010 से पंचायतीराज दिवस की हुई शुरुआत।।



रचना

रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि० लोहारी
क्षे०- सरवनखेड़ा
जनपद- कानपुर देहात





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 25.04.2021

115

दिन- रविवार

मलेरिया है एक रोग भयानक,
करना होगा लोगों को जागरूक।
यही उद्देश्य मलेरिया दिवस का है,
निवारण और नियंत्रण का है॥

विश्व मलेरिया दिवस - 25 अप्रैल

25 अप्रैल 2008 को था मनाया गया,
विश्व मलेरिया दिवस नाम दिया गया।
यूनिसेफ का उद्देश्य यही था,
मलेरिया पर करना ध्यान केंद्रित था॥



विश्व मलेरिया दिवस

मच्छर है मलेरिया का वाहक,
प्लाज्मोडियम कीटाणु है घातक।
एक से ये दूसरे में फैले,
मरीज को बेदम मलेरिया कर दे॥



मच्छरदानी का प्रयोग सरल उपाय,
पानी कहीं जमा होने न पाए।
दवा छिड़कवाना, गैंबुशिया को पालना,
2030 तक मलेरिया उन्मूलन है करना॥



रचना - डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर-1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 26 अप्रैल 2021

116

दिन- सोमवार

श्री निवास रामानुजम थे,
गणित की दुनिया के सितारे।
26 अप्रैल 1920 को जग से,
रूठ गए गणितज्ञ वो प्यारे।।

विषय- पुण्यतिथि विशेष
महान गणितज्ञ

श्री निवास रामानुजम

12 वर्ष की अल्पायु में,
त्रिकोण मिति को सीख लिया।
पाई के अंकों की गणना हित,
विभिन्न सूत्र शामिल किया।।

32 वर्ष के जीवनकाल में,
3900 समीकरण संकलित किये।
जी० डी० हार्डी के शिष्य बन,
कैम्ब्रिज में भारतीय फेलो चुने गये।।



संख्याओं के जादूगर का,
प्रसिद्ध नाम जिनको मिला।
22 दिसम्बर राष्ट्रीय गणित दिवस,
उनकी याद में मनाना शुरू हुआ।।



रहना

सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 27.04.2021

117

दिन- मंगलवार

राष्ट्रीय कृमि दिवस

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने,
कृमि दिवस का शुभारंभ किया 2015 में।
है विश्व का सबसे बड़ा एकल दिवस कार्यक्रम,
उद्देश्य है कृमि मुक्ति व समग्र स्वास्थ्य पोषण।।



कृमि रोग में पेट में आँतों में कीड़े रहते,
ये संक्रमण से पोषण तत्व नष्ट कर देते।
दिवस पर इससे बचाव के तरीके बताते,
एल्बेंडाजोल कृमिनाशक दवा निःशुल्क बाँटते।।

1-19 वर्ष तक के सभी बच्चों को दी जाती ये गोली,
1-5 वर्ष के बच्चों को ये दवा देती आँगनवाड़ी।
स्कूल न जाने वालों के घर दवा देती आशा की टोली,
स्कूल में 6-19 वर्ष के बच्चों को खिलाते ये गोली।।



27 अप्रैल को राष्ट्रीय कृमि दिवस मनाएँ,
कृमि संक्रमण से बचाव हेतु जागरूकता फैलाएँ।
गोल कृमि, वीप वार्म, अंकुश कृमि से मुक्ति पाएँ,
छूटे हुए बच्चों को 2 मई को दवाई प्राप्त कराएँ।।



रचना-

रीना (स०अ०)

प्रा० वि०- सालेहनगर

वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ





दिनांक- 28/04/2021

118

दिन- बुधवार

हरि सिंह नलवा

अट्टाईस अप्रैल सत्रह सौ इक्यानवे सन् पंजाब में,
हरि सिंह नलवा पराक्रमी जो जन्मे थे पंजाब में।
गुजरांवाला गाँव के रहने वाले गुरुदयाल उप्पल,
पिता बने थे पुत्र के ऐसे जो था वीर सदा अव्वल।।

माँ थीं धर्माकौर, नाम बचपन का कहते 'हरिया',
अल्पायु में नियति ने पिता का साया था छीन लिया।
आयोजित प्रतियोगिता जिसमें भाला तीर चलाकर,
महाराज रणजीत प्रभावित थे हरीसिंह को देखकर।।



किया सम्मानित वीर पुरुष को सेना में तब लाकर,
अपनी प्रतिभा से वे बने थे सेनानायक पद पाकर।
महाराज रणजीत शिकार को पहुँचे जंगल जाकर,
तभी कहीं से हमला कर दिया एक बाघ ने आकर।।

चीर बाघ के जबड़े को अद्भुत वीरता दिखलायी,
राजा नल जैसे पराक्रमी, 'नलवा' की उपाधि पायी।
युद्ध में हारे हरीसिंह से काबुल और अफगानिस्तान,
भय से काँपते थर-थर शत्रु ऐसे नलवा वीर महान।।



शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिखा वर्मा (इं० प्र० अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर





टाइमलाइन एक्सप्रेस

दिनांक- 29/04/2021

119

दिन- गुरुवार

अन्तरराष्ट्रीय नृत्य दिवस



29 अप्रैल का दिन जब आया,
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया।
1982 में यूनेस्को के हाथ,
इस दिवस की हुई शुरुआत।।

जीन जार्ज नावरे का जन्मदिवस,
बना अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस।
नृत्य कला तो बड़ी अजब है,
भारतीय संस्कृति का वैभव है।।



कथकली, कथक और भरतनाट्यम,
कुचीपुड़ी, ओडिसी, मोहिनीअट्टम।
इस दिवस का उद्देश्य सुहाना,
नृत्य कला की अलख जगाना।।

प्राथमिक शिक्षा से इसको जोड़ा,
जन आकर्षण को रुख मोड़ा।
युवाओं के यह मन को भाया,
नृत्य सीख स्वास्थ्य लाभ उठाया।।



रचना

फ़राह हारून "वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बंदायूँ





टाइमलाइन एक्सप्रेस



दिनांक- 30-4-2021

120

दिन- शुक्रवार

जब-जब घर पर पड़े बीमार,
उसकी चिकित्सा तुरन्त कराते,
रोगी को अस्पताल ले जाकर,
उसे तुरन्त डॉक्टर को दिखाते।।

सिर दर्द, सर्दी, हैजा, मलेरिया,
तपेदिक हो या हो बुखार।
अलग- अलग डॉक्टर से हमको,
चिकित्सा कराना होती हर बार।।

चिकित्सा करने के अलग-अलग,
कई तरीके होते है।
चिकित्सा की नई खोजों के लिए,
हमेशा शोध होते हैं।।

चिकित्सा दिवस



अपने स्वास्थ्य का रखे ध्यान,
जिससे न हो कोई रोग।
रोग निवारण और रोग हरन,
कर सबको बनाना है निरोग



रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



रचनाकारों की सूची

शहनाज़ बानो, चित्रकूट
देवेश्वरी सेमवाल, उत्तराखंड
सरिता मैन्दोला, उत्तराखण्ड
भुवन प्रकाश, सीतापुर
सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
ज्योति सागर, बागपत
नीलम भास्कर, बागपत
अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
आरती यादव, कानपुर देहात
सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
नीलम सिंह, हाथरस
रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात
डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
सीमा मिश्रा, फतेहपुर
रीना, मेरठ
शिखा वर्मा, सीतापुर
फराह हारून वफ़ा, बदायूँ

टेनिकल टीम-

जितेंद्र कुमार, सुधांशु श्रीवास्तव, हेमलता गुप्ता, आयुषी अग्रवाल

मार्गदर्शन-

राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन-

काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद